इस पुस्तक की रचना के लिए जिन विद्वानों ने मुझे प्रेरित किया, प्रो0 जे0पी0पचौरी, प्रो0 सुकान्त कुमार चौधरी, प्रो0 राजेश मिश्रा, प्रो0 ए0के0 श्रीवास्तव, प्रो0 रामगणेश यादव,प्रो0 रेहाना ज़ैदी, डॉ0 अखिलेश कुमार शुक्ल, डॉ0 किरन डंगवाल, डॉ0जे0पी0 भट्ट, डॉ0 तनु मित्तल के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मेरे मनोबल को बढ़ाने में सहयोग प्रदान किया है।

इस पुस्तक को सफलतापूर्वक निष्पादन कराने में डॉ0 रवीश कुमार सिंह, डॉ0 अमित कुमार वर्मा, डॉ0सुनील दीपक, डॉ0 राजीव कुमार डॉ0 दिनेश कुमार , डॉ0 राजेश कुमार यादव, डॉ0 दिवाकर उपाध्याय, डॉ0 पी0 के0 गुप्ता, लखनऊ विश्वद्यिालय, लखनऊ का भी समर्थन मिला।

मेरे इस असम्भव कार्य को सम्पादित कराने में मेरी पत्नी श्रीमती पूनम शर्मा एवं पुत्र अराध्य राजवंशी,तथा अग्रज श्री राम प्रसाद,श्री दयाराम,कमलेश कुमार तथा माता श्रीमती नन्हका देवी का अभूतपूर्व योगदान रहा।

पुस्तक में परिवर्तन, संशोधन व परिमार्जन के लिए पाठकों की टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत है ताकि इस पुस्तक को आगामी संस्करण में और अधिक सार्थक एवं उपयोगी बनाया जा सके।

स्थान–लखनऊ
दिनाँक–12–10–2016

डॉ. बालक राम राजवंशी
643N\139 नायक नगर
मोहिबुल्लापुर सीतापुर
रोड, लखनऊ–21

अनुक्रमणिका

	आमुख एवं आभार	*v*
1.	समाजशास्त्र का उद्‌भव व विकास	1
2.	समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध	24
3.	प्राथमिक अवधारणाएँ	47
4.	प्रस्थिति और भूमिका	144
5.	सामाजिक प्रतिमान	162
6.	सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य	177
7.	सामाजिक व्यवस्था	183
8.	समाजीकरण	191
9.	सामाजिक प्रक्रियाएँ	211
10.	सामाजिक परिवर्तन	228
11.	सामाजिक स्तरीकरण	252
12.	सामाजिक नियन्त्रण	266
	सन्दर्भ ग्रन्थ	275

SAMPLE